कान से खून आना: कारण, लक्षण और सही उपचार

क्या यह सामान्य समस्या है या किसी गंभीर बीमारी का संकेत?

कान से खून आना (Ear Bleeding) एक ऐसा लक्षण है जिसे कभी भी सामान्य समझकर अनदेखा नहीं करना चाहिए। कई बार यह कान की नली में छोटी चोट या संक्रमण के कारण होता है, लेकिन कुछ स्थितियों में यह कान के पर्दे में छेद, सिर की चोट या किसी अन्य गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है।

कान से खून आने के प्रमुख कारण

1. कान में संक्रमण: बाहरी या मध्य कान के संक्रमण में सूजन, दर्द और कभी-कभी कान से मवाद या खून मिला हुआ स्राव निकल सकता है। कान के पर्दे में संक्रमण के कारण छेद हो जाने पर भी रक्तमिश्रित स्राव दिखाई दे सकता है।

2. कान में बाहरी वस्तु फँसना: विशेषकर बच्चों में मोती, खिलौने का छोटा हिस्सा, कागज या अन्य वस्तु कान में डालने से कान की नली में खरोंच या चोट लग सकती है।

3. कान के पर्दे में छेद या फटना: तेज आवाज, थप्पड़, कान में नुकीली वस्तु डालना, संक्रमण या दबाव में अचानक बदलाव के कारण कान का पर्दा फट सकता है। इसके साथ अचानक दर्द, सुनाई कम देना, कान में आवाज या रक्त/तरल स्राव हो सकता है।

4. हवा या पानी के दबाव में बदलाव: हवाई यात्रा, स्कूबा डाइविंग या दबाव में अचानक परिवर्तन से कान के पर्दे पर दबाव पड़ सकता है। गंभीर स्थिति में पर्दे को नुकसान और रक्तस्राव हो सकता है।

5. सिर या कान में चोट: दुर्घटना, गिरने या सिर पर तेज चोट लगने के बाद कान से खून या साफ पानी जैसा तरल निकलना गंभीर चोट का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में तुरंत अस्पताल पहुँचना आवश्यक है।

कान से खून आने पर कौन-कौन से लक्षण हो सकते हैं?

- कान में दर्द, जलन या भारीपन।
- कान से खून, मवाद या पानी जैसा स्राव निकलना।
- सुनने की क्षमता कम होना या कान बंद लगना।
- कान में सीटी/घंटी जैसी आवाज (टिनिटस)।
- चक्कर आना, संतुलन बिगड़ना या उल्टी होना।
- बुखार या कान के आसपास सूजन।

लक्षणों की गंभीरता कारण पर निर्भर करती है। सिर की चोट के बाद कान से खून/पानी आना, अचानक सुनाई कम होना, तेज चक्कर, चेहरे में कमजोरी या असहनीय दर्द होने पर तुरंत आपातकालीन चिकित्सा सहायता लें।

कान से खून आने पर क्या करें?

• घबराएँ नहीं, लेकिन रक्तस्राव को हल्के में न लें।

• कान को सूखा रखें और नहाते समय पानी जाने से बचाएँ।

• बाहर निकले खून को केवल कान के बाहरी हिस्से से साफ, मुलायम कपड़े या गॉज से हल्के से पोंछें।

• कान में कोई वस्तु, कॉटन बड, पिन या उँगली न डालें।

• जल्द से जल्द ENT विशेषज्ञ से जाँच करवाएँ।

• यदि सिर पर चोट लगी है, तो कान को बंद/पैक न करें और तुरंत अस्पताल जाएँ।

क्या नहीं करना चाहिए?

• कान में तेल, घरेलू नुस्खे या बिना सलाह के ईयर ड्रॉप्स न डालें। पर्दे में छेद होने पर कुछ दवाएँ नुकसान पहुँचा सकती हैं।

• कान को पानी से धोने या सिरिंज से साफ करने की कोशिश न करें।

• कान में फँसी वस्तु को स्वयं निकालने का प्रयास न करें।

• रक्तस्राव रुक जाने पर भी बार-बार होने वाली समस्या को अनदेखा न करें।

कौन-कौन सी जाँच की आवश्यकता हो सकती है?

ENT विशेषज्ञ पहले लक्षणों का इतिहास और कान की जाँच करते हैं। आवश्यकता के अनुसार निम्न जाँचें की जा सकती हैं:

1. ओटोस्कोपी/ओटोएंडोस्कोपी: कान की नली और पर्दे को देखकर चोट, संक्रमण या छेद की पहचान।
2. ऑडियोमेट्री: सुनने की क्षमता का परीक्षण।
3. टिम्पैनोमेट्री: मध्य कान और कान के पर्दे की कार्यक्षमता का आकलन; उपयुक्त स्थिति में ही।
4. CT स्कैन: गंभीर चोट, हड्डी से संबंधित समस्या या जटिल संक्रमण के संदेह में।
5. बायोप्सी: यदि जाँच में कोई संदिग्ध गाँठ या घाव दिखाई दे तो विशेषज्ञ की सलाह पर।

कब तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए?

सिर या कान में चोट के बाद खून/पानी निकलना, अचानक सुनाई कम देना, तेज चक्कर, चेहरे की मांसपेशियों में कमजोरी, तेज बुखार, कान के पीछे सूजन या लगातार/अधिक रक्तस्राव होने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें। बच्चों में कान से खून आने पर विशेष सावधानी रखें।

निष्कर्ष

कान से खून आना अपने आप में कोई बीमारी नहीं, बल्कि किसी अंदरूनी समस्या का लक्षण है। इसके पीछे मामूली चोट से लेकर संक्रमण, पर्दे में छेद या दुर्लभ गंभीर बीमारी तक कारण हो सकते हैं। सही कारण जानने

के लिए समय पर ENT विशेषज्ञ से जाँच करवाना सबसे सुरक्षित उपाय है। स्वयं उपचार करने या घरेलू नुस्खे अपनाने से बचें। समय पर सही जाँच और उपचार से सुनने की क्षमता तथा कान के स्वास्थ्य की रक्षा की जा सकती है।

लेखक: डॉ. धवल भोजानी, एम.एस. (ईएनटी)

सहायक प्राध्यापक, ईएनटी विभाग

रुक्मणीबेन दीपचंद गर्दी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सुरासा, उज्जैन (म.प्र.)

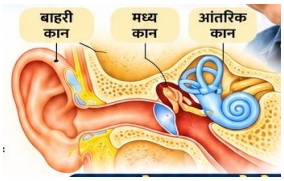
ओपीडी स्थान: रुक्मणीबेन दीपचंद गर्दी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, उज्जैन – ओपीडी कक्ष नं. 108

ओपीडी समय: सुबह 9:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

संपर्क: 7828456176

लेख के साथ प्रकाशित करने हेतु चयनित चित्र

कान से खून आने के संभावित कारणों एवं कान की जाँच से संबंधित चित्र



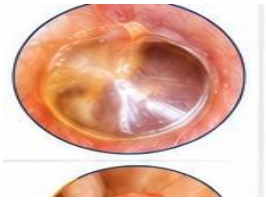
कान की संरचना (बाहरी, मध्य एवं आंतरिक कान)



कान का संक्रमण



कान में दर्द / परेशानी



कान के पर्दे में छेद



कान में चोट